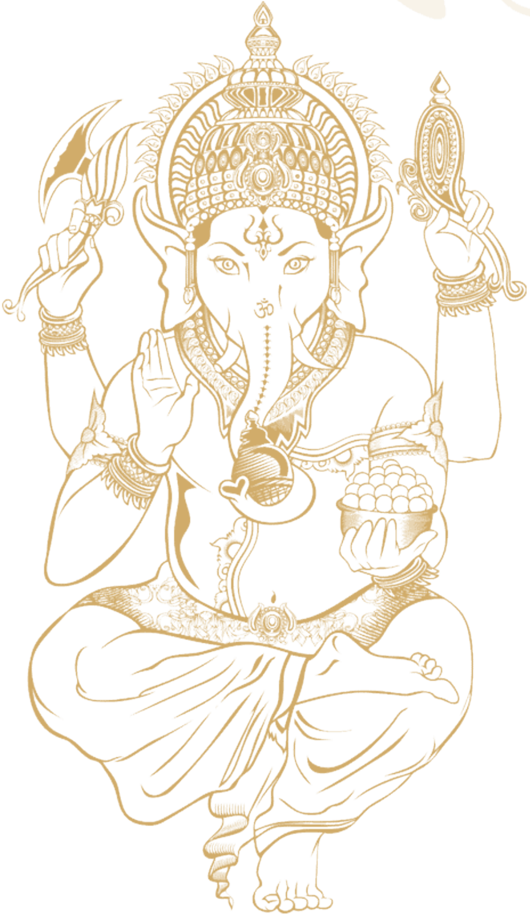

Shakti Bajpai

28 Jan 1995

10:35 AM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121176822

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28/01/1995**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**10:35:00 घंटे**
इष्ट	09:08:04 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:26:16 घंटे
वेलान्तर	-00:12:52 घंटे
साम्पातिक काल	18:54:15 घंटे
सूर्योदय	06:55:46 घंटे
सूर्यास्त	17:47:41 घंटे
दिनमान	10:51:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:00:33 मकर
लग्न के अंश	24:53:02 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भावना
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	24:53:02	487:23:28	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			मक	14:00:33	01:00:59	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	07:12:26	14:33:09	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल	व		सिंह	04:40:34	00:19:18	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध	व		मक	27:01:45	00:24:39	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	15:56:06	00:09:48	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	27:45:32	01:05:38	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
शनि			कुंभ	16:51:13	00:06:35	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	16:50:17	00:07:42	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	16:50:17	00:07:42	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	03:16:39	00:03:30	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			धनु	29:48:07	00:02:13	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:27:21	00:01:12	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			धनु	18:41:27	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:30

लग्न-चलित

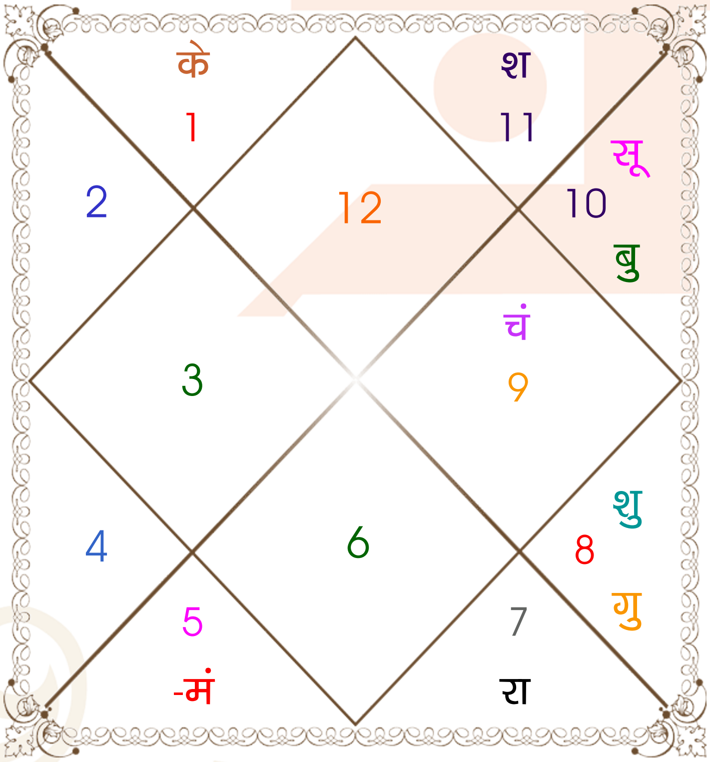

चन्द्र कुंडली

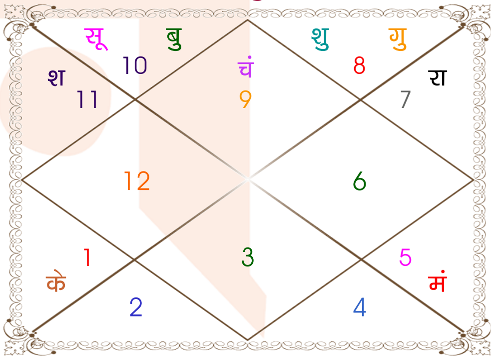

नवमांश कुंडली

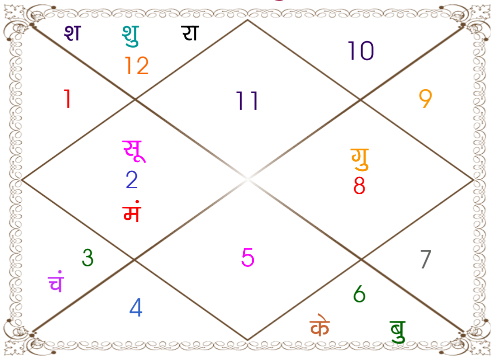

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 2 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/01/1995		**17/04/1998**		**17/04/2018**		**16/04/2024**		**17/04/2034**	
17/04/1998		**17/04/2018**		**16/04/2024**		**17/04/2034**		**16/04/2041**	
	00/00/0000	शुक्र	16/08/2001	सूर्य	04/08/2018	चंद्र	15/02/2025	मंगल	13/09/2034
	00/00/0000	सूर्य	16/08/2002	चंद्र	03/02/2019	मंगल	16/09/2025	राहु	01/10/2035
	00/00/0000	चंद्र	16/04/2004	मंगल	11/06/2019	राहु	17/03/2027	गुरु	06/09/2036
	00/00/0000	मंगल	16/06/2005	राहु	04/05/2020	गुरु	16/07/2028	शनि	16/10/2037
	28/01/1995	राहु	16/06/2008	गुरु	21/02/2021	शनि	15/02/2030	बुध	13/10/2038
राहु	05/04/1995	गुरु	15/02/2011	शनि	03/02/2022	बुध	17/07/2031	केतु	11/03/2039
गुरु	11/03/1996	शनि	17/04/2014	बुध	10/12/2022	केतु	15/02/2032	शुक्र	11/05/2040
शनि	19/04/1997	बुध	15/02/2017	केतु	17/04/2023	शुक्र	16/10/2033	सूर्य	15/09/2040
बुध	17/04/1998	केतु	17/04/2018	शुक्र	16/04/2024	सूर्य	17/04/2034	चंद्र	16/04/2041

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/04/2041		**17/04/2059**		**17/04/2075**		**17/04/2094**		**18/04/2111**	
17/04/2059		**17/04/2075**		**17/04/2094**		**18/04/2111**		**00/00/0000**	
राहु	29/12/2043	गुरु	04/06/2061	शनि	20/04/2078	बुध	12/09/2096	केतु	14/09/2111
गुरु	23/05/2046	शनि	16/12/2063	बुध	28/12/2080	केतु	10/09/2097	शुक्र	13/11/2112
शनि	29/03/2049	बुध	23/03/2066	केतु	06/02/2082	शुक्र	11/07/2100	सूर्य	21/03/2113
बुध	17/10/2051	केतु	27/02/2067	शुक्र	07/04/2085	सूर्य	18/05/2101	चंद्र	20/10/2113
केतु	03/11/2052	शुक्र	28/10/2069	सूर्य	20/03/2086	चंद्र	17/10/2102	मंगल	18/03/2114
शुक्र	04/11/2055	सूर्य	16/08/2070	चंद्र	20/10/2087	मंगल	14/10/2103	राहु	29/01/2115
सूर्य	28/09/2056	चंद्र	16/12/2071	मंगल	27/11/2088	राहु	03/05/2106		00/00/0000
चंद्र	29/03/2058	मंगल	21/11/2072	राहु	04/10/2091	गुरु	08/08/2108		00/00/0000
मंगल	17/04/2059	राहु	17/04/2075	गुरु	17/04/2094	शनि	18/04/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 2 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि की विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगी।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचती हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होती हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पति के समक्ष जाती हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पति की सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाती हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाली नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाली प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगी एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकती हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगी। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप पुरुष के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगी तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति की महिला हो तथा अपने जीवन में सफल होंगी। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखती रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि की धार्मिक महिला हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकती है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकती हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकती हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।